DEMANDS FOR GRANTS, 1979-80 —*Contd.*

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION—*Contd.*

सभापति महोदय : श्री जायसवाल ।

श्री अनन्त राम जायसवाल (फैजाबाद) : सभापति महोदय, जहां तक प्रति व्यक्ति अन्न की उपलब्धि का सम्बन्ध है, उसमें पिछले पच्चीस, तीस सालों में कोई फर्क नहीं हुआ है—वह जहां की तहां है । इसलिए इस तरफ पूरी तवज्जुह देनी चाहिए । अनाज की पैदावार में जो वृद्धि हुई है, खाली उससे संतोष कर लेना उचित नहीं है ।

हमें कभी नहीं भूलना चाहिए कि हमारे देश में छः सात करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनको या तो रोज दोनों वक्त खाना नहीं मिलता है, या दूसरे तीसरे दिन खाना मिलता है । अब सरकार दाल की पैदावार को बढ़ा नहीं पाई है, तो दाल की प्रति व्यक्ति उपलब्धि भी घटती रही है ।

मैंने इकानोमिक सरवे में बहुत तलाश करने की कोशिश की कि कहीं मिल जाये कि हमारे देश में लोगों को दूध कितना मिलता है, लेकिन वे आकड़े मुझे कहीं भी नहीं मिले हैं कि इस देश में प्रति व्यक्ति दूध कितना मिलता है । गोरे देशों में दूध की औसत खपत आधा लीटर प्रति व्यक्ति होगी, लेकिन हमारे देश में एक आदमी को शायद कुछ बूंद ही दूध मिलता है । इसलिए सरकार ने इस तथ्य को कभी लोगों के सामने लाने की कोशिश नहीं की है । मैं चाहता हूं कि मंत्री महोदय अपने उत्तर में बतायें कि हमारे देश में दूध की खपत क्या है । मेरा ख्याल है कि शायद आध चम्मच के आस-पास की औसत होगी ।

हमारे देश में आम आदमी की यह हालत है । मैंने जो तस्वीर यहां रखी है, अगर सरकार इसको सुधारना चाहे, तो इसके लिए बहुत पैसे की जरुरत है—इतने पैसे की, जिसका अन्दाजा नहीं लगाया जा सकता है । यहां पर पहले अंग्रेज की लूट चली, और स्वराज्य मिलने के बाद भी पिछले पच्चीस तीस सालों के दौरान गांवों के लोगों की हालत में सुधार नहीं हो पाया है और गावों का विकास नहीं हो पाया है । इसके लिए बहुत पैसे की जरूरत है । सरकार टैक्स लगा देती है, एक्साइज ड्यूटी को बढ़ा देती है और इस तरह लोगों की जिन्दगी को और दूभर बना देती है—और यह इसका उपाय भी नहीं है ।

मैं आपके सामने एक उपाय रखता हूं, हालांकि मुझे शक है कि सरकार इसको कर पायेगी या नहीं । बहुत पहले कहा गया था कि इस देश को बनाने के लिए बड़े लोगों के खर्च पर पाबंदी लगा दी जाये । उससे 15 अरब रुपये—शायद उससे ज्यादा—बच जायेंगे । उस रकम को खेती और गांवों के विकास और कारखानों के सुधार में लगाया जा सकता है । इस सदन में इस बारे में चर्चा भी हो चुकी है ।

सभापति महोदय : माननीय सदस्य अपना भाषण अगले दिन कन्टीन्यू करें ।

15.29 hrs.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS BILLS AND RESOLUTION

THIRTY-FIST REPORT

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं :—

"कि यह सभा गैर-सरकारी सदस्यों के विधेयकों तथा संकल्पों सम्बंधी समिति के 31वें प्रतिवेदन से, जो 11 अप्रैल, 1979 को सभा में प्रस्तुत किया गया था, सहमत है ।"

MR. CHAIRMAN: The question is:

"That this House do agree with the Thirty-first Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 11th April, 1979."

The motion was adopted.

15.30 hrs.

RESOLUTION RE: BAN ON COW SLAUGHTER—contd.

MR. CHAIRMAN: The House will now take up further discussion of the following Resolution moved by Dr. Ramji Singh on 2 March, 1979:—

"This House directs the Government to ensure total ban on the slaughter of cows of all ages and calves in consonance with the Directive Principles laid down in Article 48 of the Constitution as interpreted by the Supreme Court as well as necessitated by strong economic considerations based on the recommendations of the Cattle Preservation and Development Committee and the reported fast by Acharya Vinoba Bhave from 21 April, 1979."

Shri Nathu Singh may continue his speech.

श्री नाथू सिंह (दौसा) : सभापति महोदय, मैं पिछली बार बता रहा था कि यह क्यों आवश्यक है कि भारत में गोहत्या बन्द हो । मैंने बताया था